

मैं अपने आप पूरे
जलजुल कथा



लेखिका: गीता धर्मराजन | चित्रांकन: तापोशी घोषाल

क



पहला हिन्दी संस्करण 1992, दूसरा संस्करण 2009, तीसरा संस्करण 2011
चौथा संस्करण 2013
कृति स्वामित्व © कथा, 1992
लेखन कृति स्वामित्व © गीता धर्मराजन, 1992
मौलिक चित्रांकन कृति स्वामित्व © तापोशी घोषाल, 1992
स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।
नई दिल्ली द्वारा मुद्रित
ISBN 978-81-85586-07-6

कथा एक पंजीकृत अलाभकारी संस्था है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा स्कूल दिल्ली के बस्ती, मोहल्लों और अरुणाचल प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में स्थित हैं।

ए-3 सर्वोदय एनक्लेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नई दिल्ली-110017
दूरभाष: 4141 6600 . 4182 9998 . फ़ैक्स: 2651 4373

ई-मेल: marketing@katha.org

वेबसाइट: www.katha.org

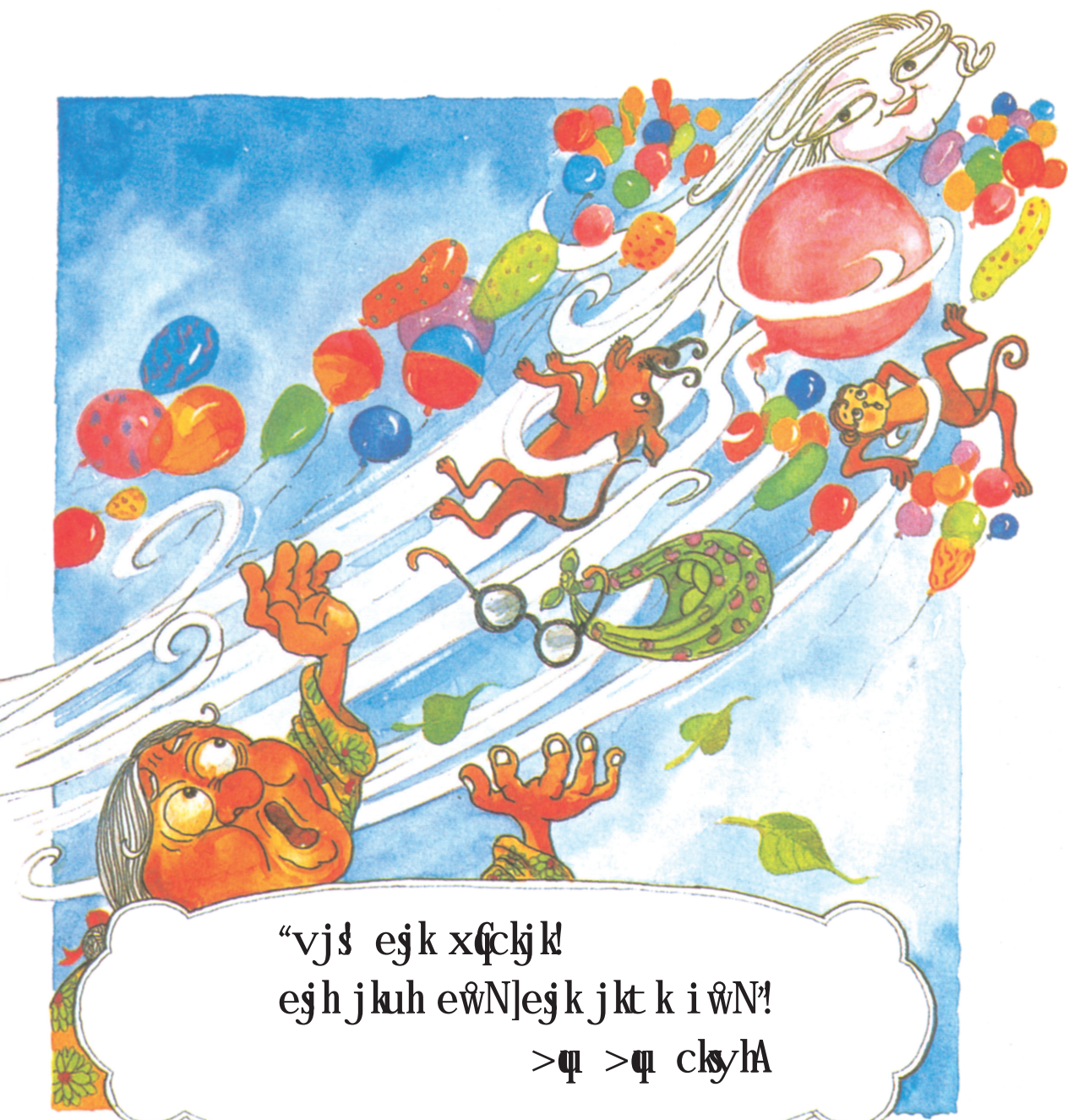
कथा नियमित रूप से पेड़ लगाती है उस लकड़ी के बदले, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है। इस किताब की बिक्री से मिली राशि का 10% अल्पाधिकारी बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।



नई लकड़ी का पेड़ लगाओ

“, d -- nks -- rhu -- l kxckj s”

कागज का पेड़ लगाओ



vpkud! , d ekWh gok vkbZ
 “vk! gk! l kxcckjs” gok ckyh

“vjs ejk xcckjk
 ejh jkuh eWNlej k jkt k i wN!
 >φ >φ ckyh



jkt k



jkuh



xcckjk



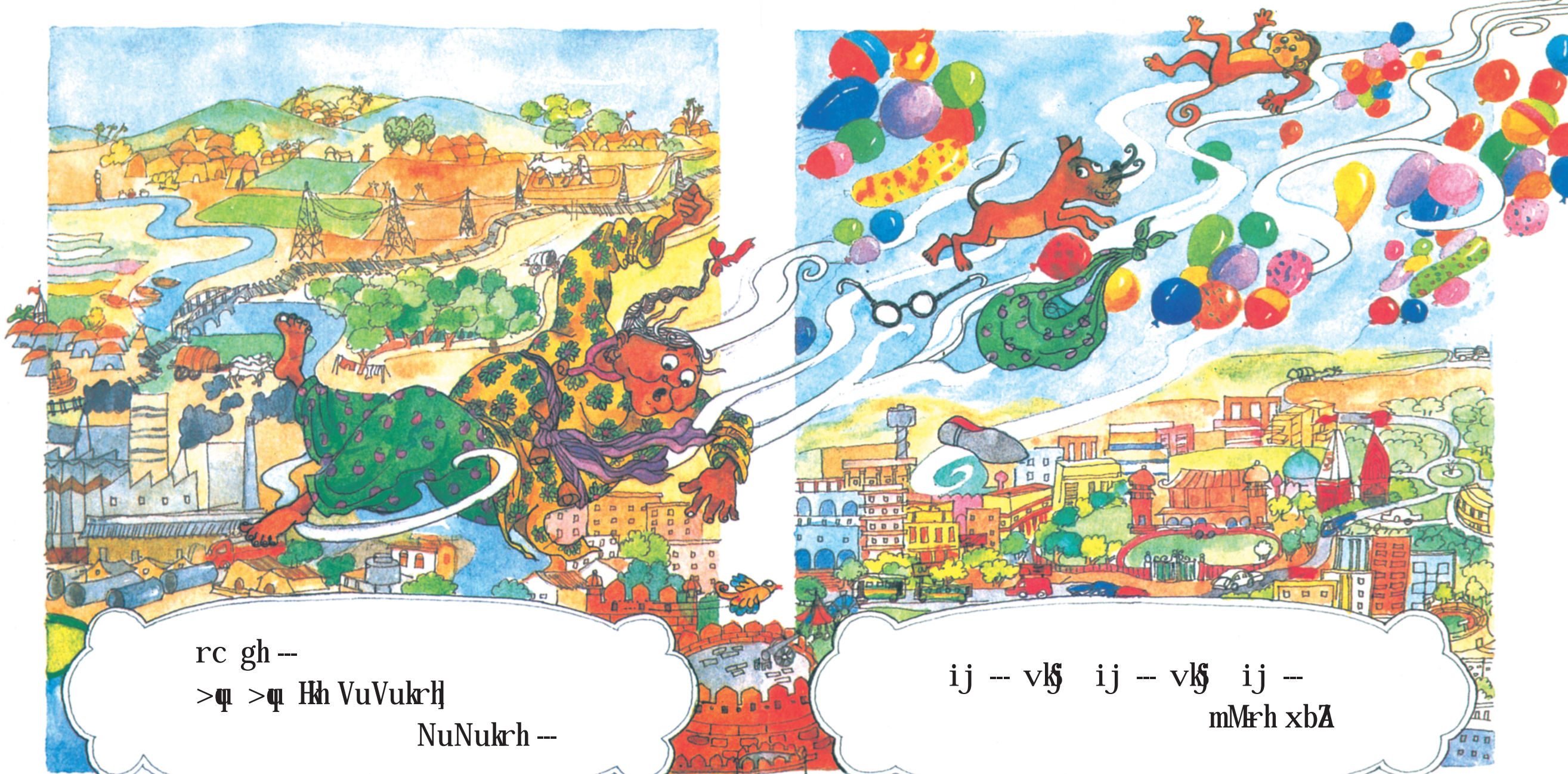
>φ >φ



eWN



i wN



rc gh --

>ଫ >ଫ Hh VuVukrh

NuNukrh --

ij -- vks ij -- vks ij --

mMrh xbA



>ଫ >ଫ



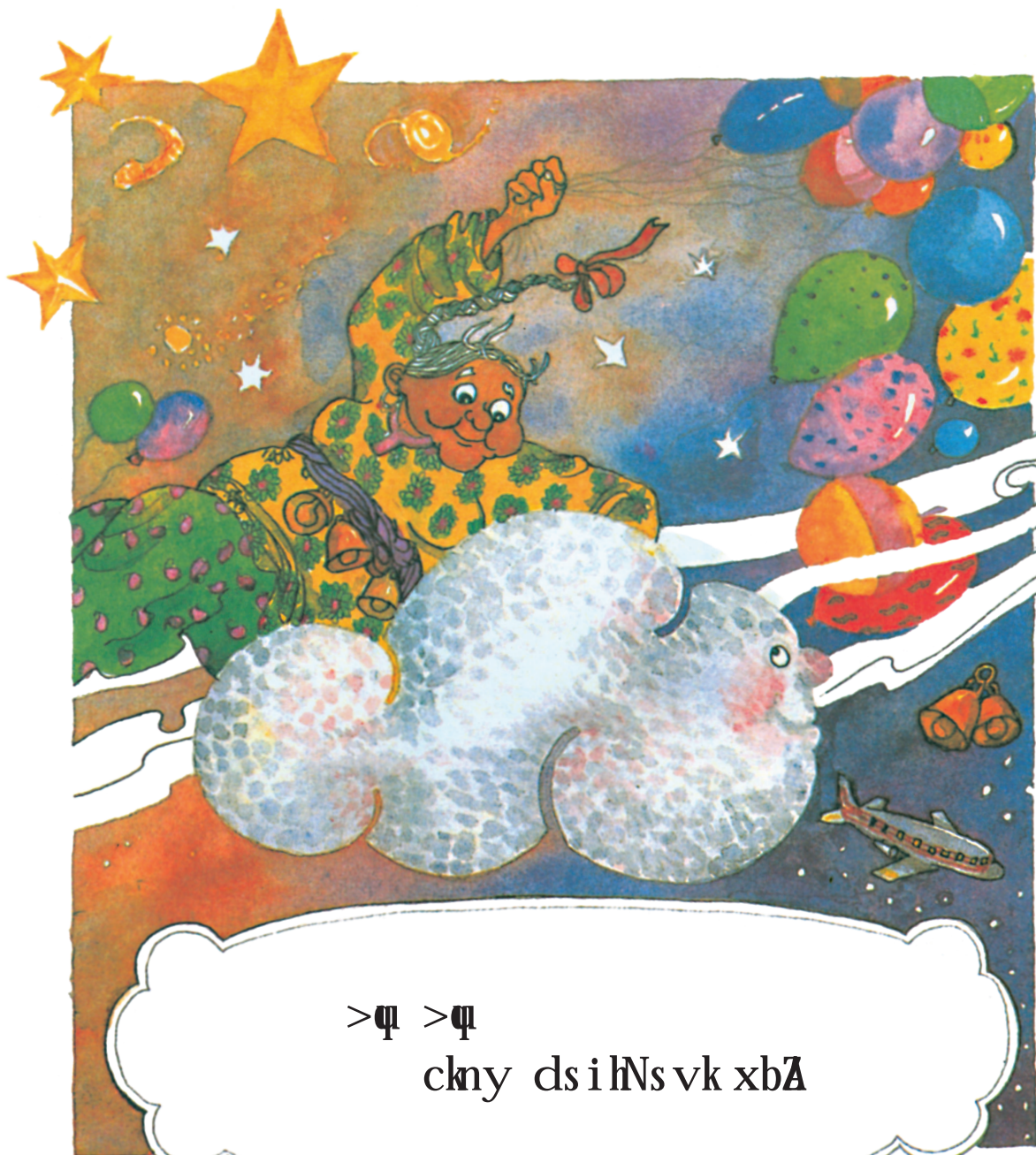
>ଫ >ଫ



>ଫ >ଫ



>ଫ >ଫ



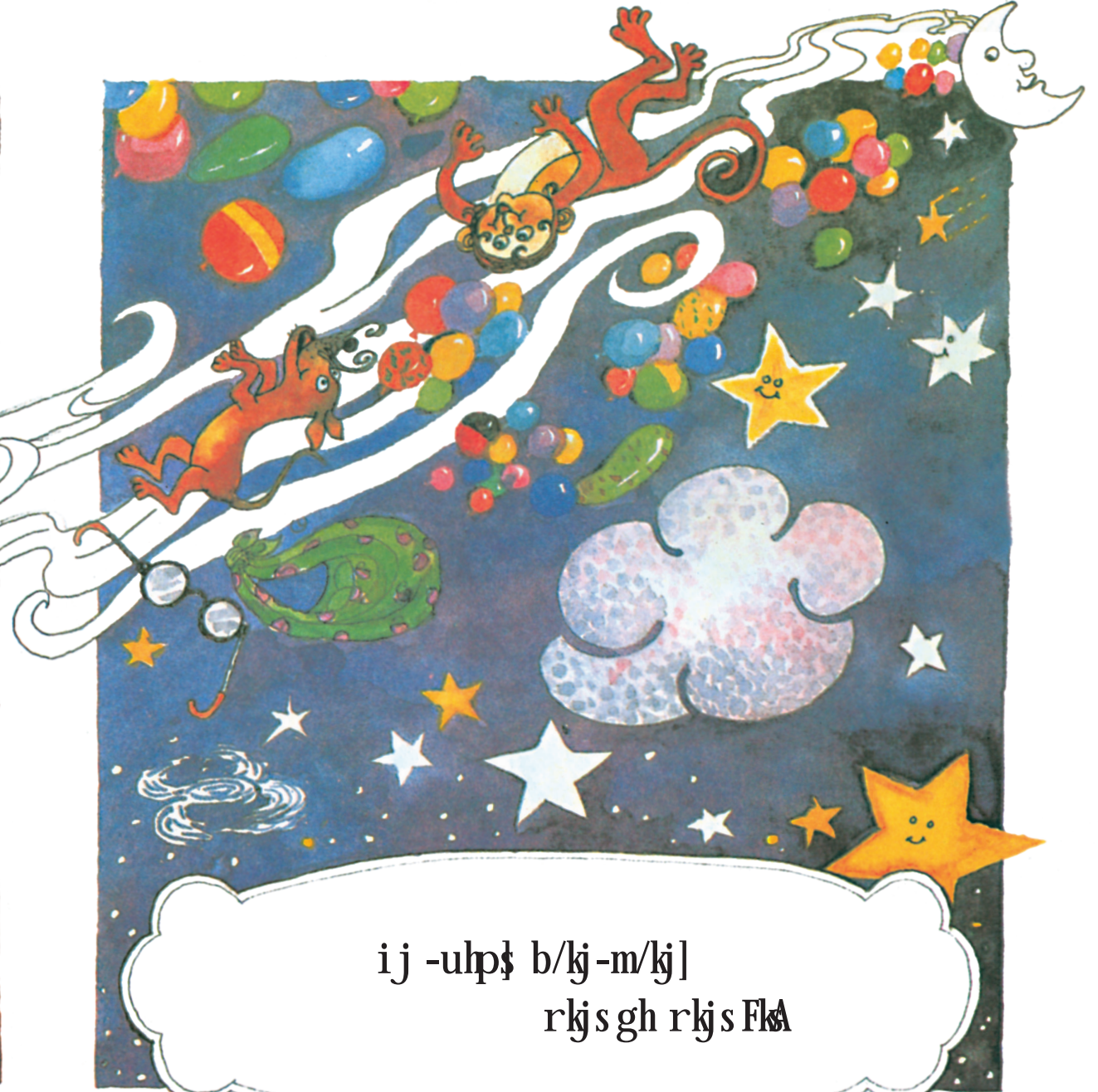
>φ >φ
 cky ds i hNs vk xB



>φ >φ



cky



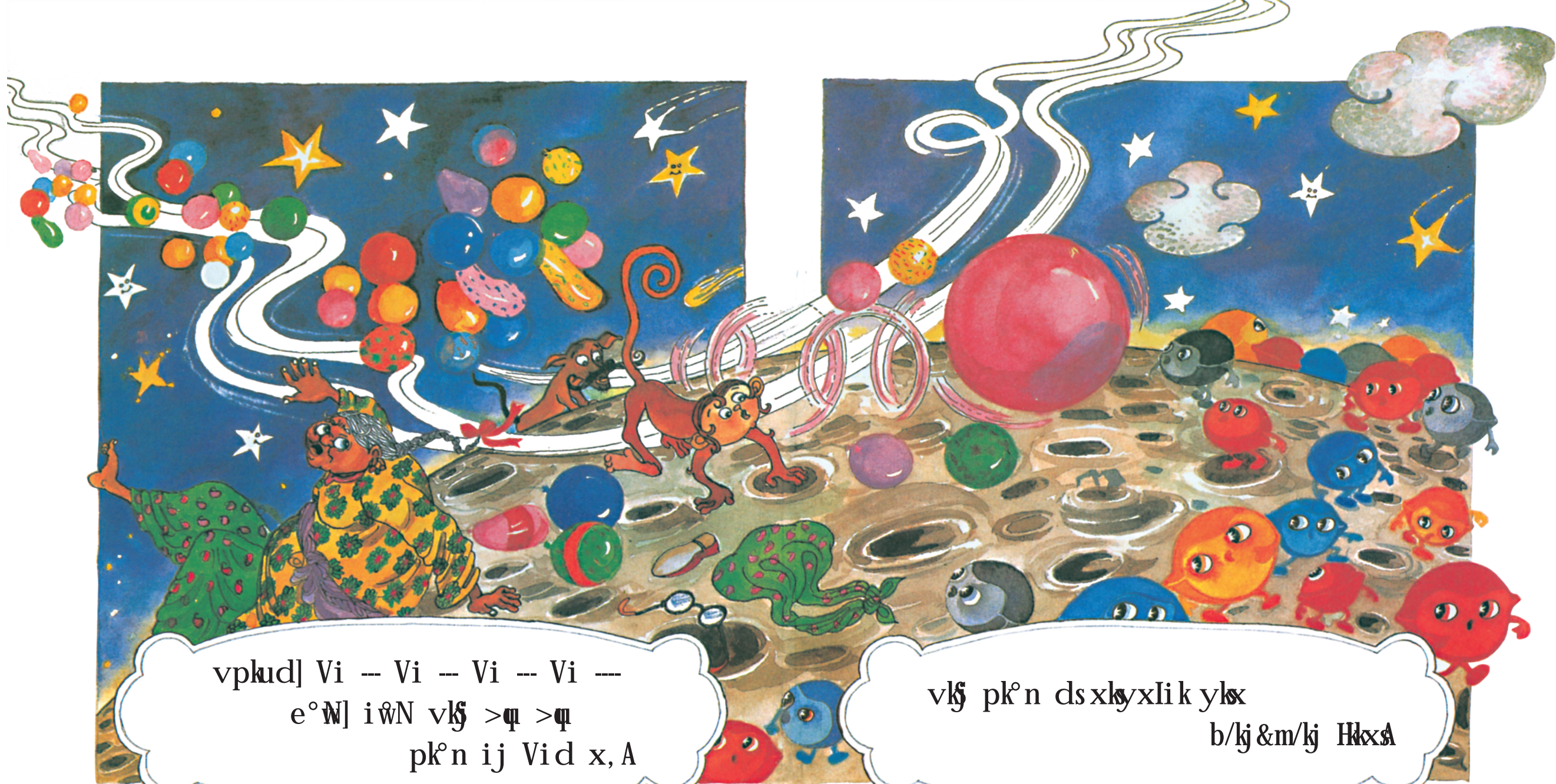
ij -uhp b/kj-m/kj
 rkjs gh rkjs Fk



rkj



rkjs



vpkud] Vi -- Vi -- Vi -- Vi ---
 e°W] iŵN vḷḷ >ᄁ >ᄁ
 pk°n ij Vid x, A

vḷḷ pk°n ds xḷy xli k yḷḷ
 b/kj & m/kj Hḷḷḷḷ



eŵN



iŵN



>ᄁ >ᄁ



pk°n



xḷy xli k



xḷy xli k yḷḷ



os uhy&i hy\$ yky&dkys ykx
 >q >q ij dwn x, A

“vk! gk! b/kj rksyk yxk g\$”
 eŵN vk\$ iŵN ckyA

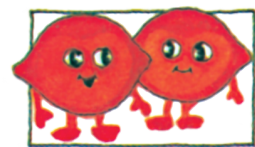


uhys



i hys

ykx



yky



dkys

ykx



“olk! olg! D; k xčkjsga” xlyxlik ylx chya
 vk/kk -- vk/kk -- iyk, d --
 nks -- rhu -- l kxčkjsg [kk x, A

>ϕ >ϕ] e°W vky iwN
 [kyrsgh jga



vk/kk



iyk



, d



nks



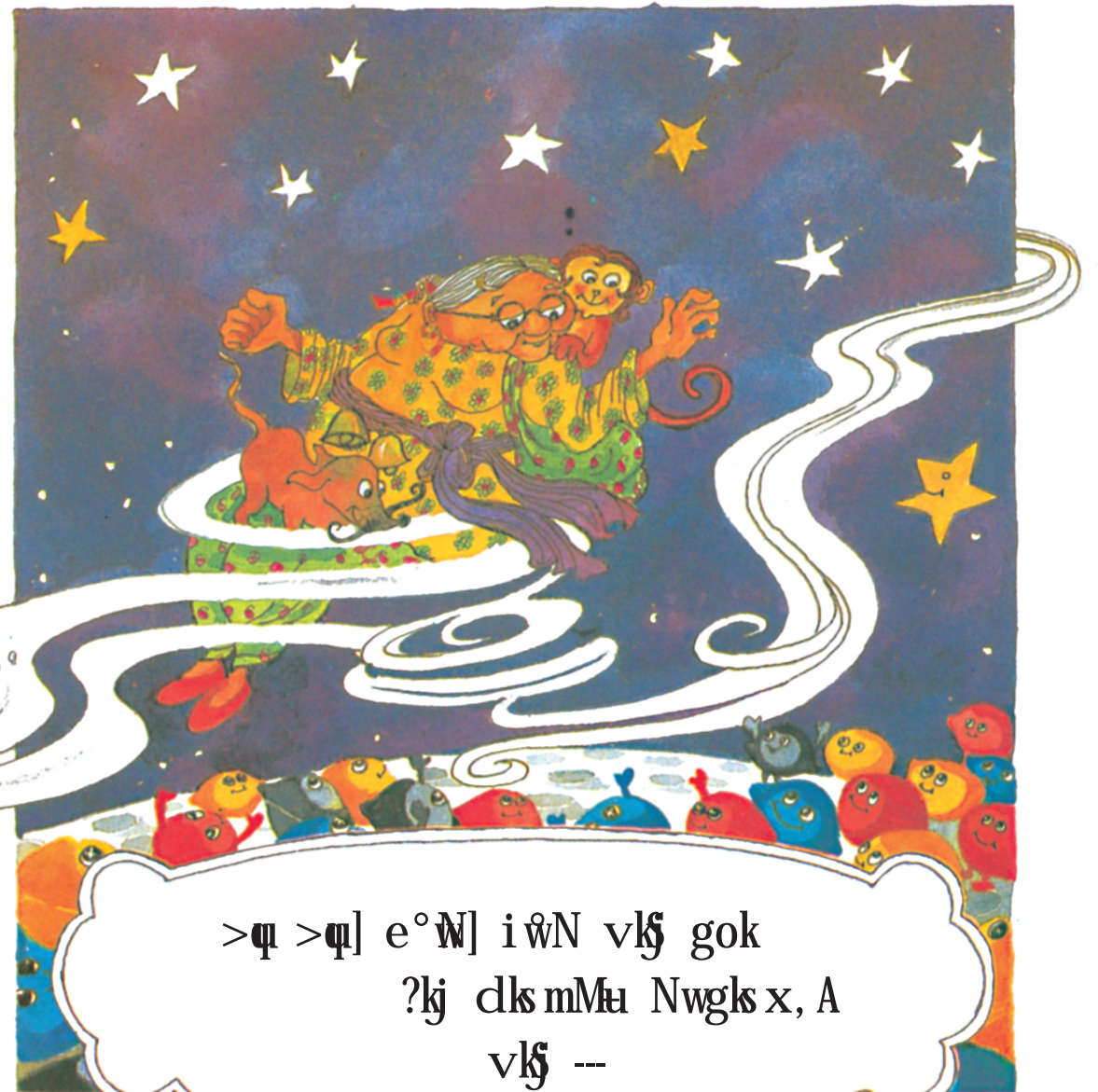
rhu



xlyxlik



ekWh gok
fQj vk xbA



>φ >φ] e°W] iŵN vκj gok
?kj dks mMta Nwglx x, A
vκj --



>φ >φ



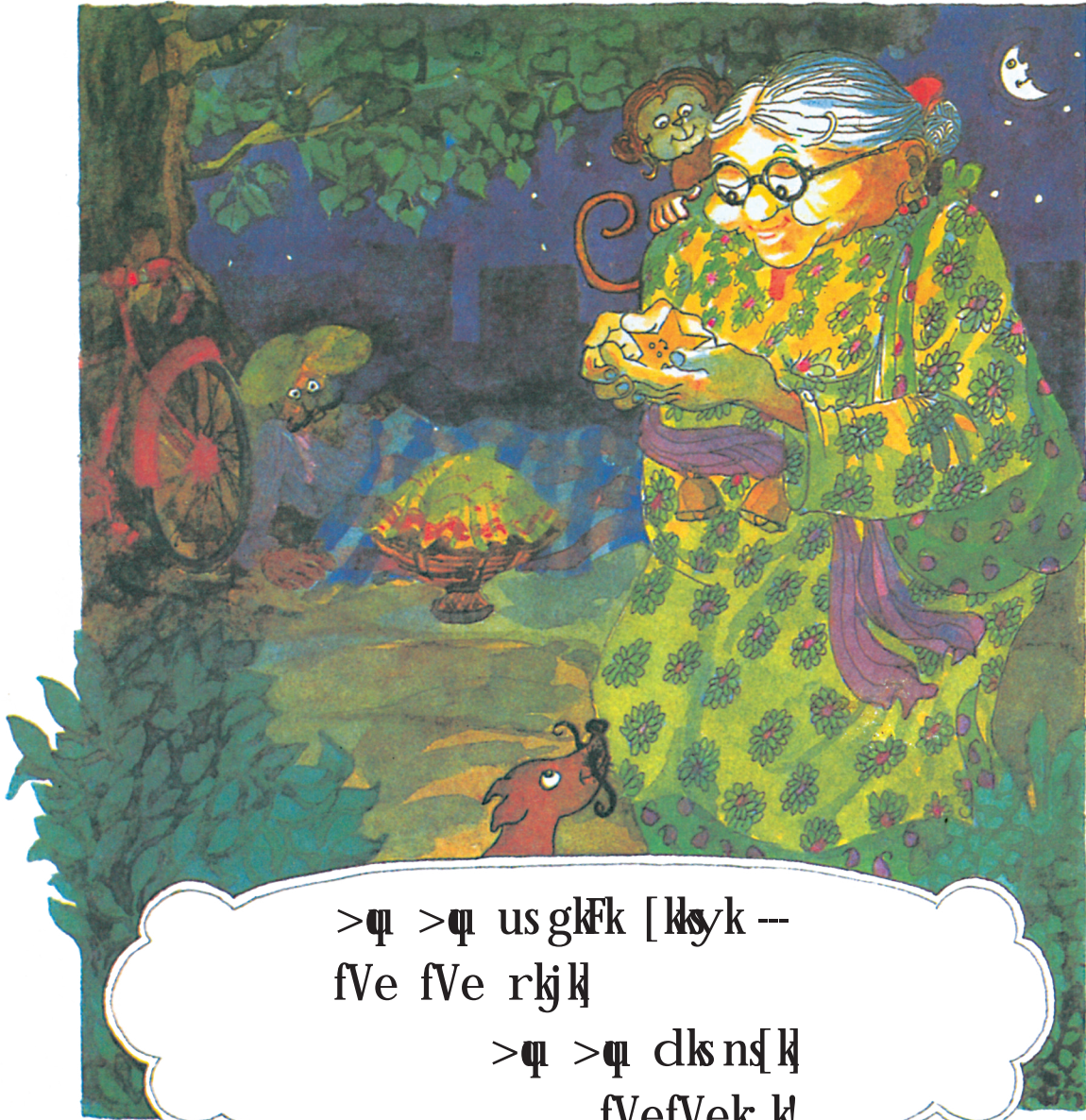
iŵN



e°W



?kj



>ॠ >ॠ us gkFk [koyk --
fVe fVe rkjk

>ॠ >ॠ dks ns[k
fVefVek; k



gkFk



>ॠ >ॠ



rkjk

उड़न छ

>ॠ >ॠ

rhu

olg!

gkFk

dkdh

l k

VuVukrh

esyk

vjs

vpkud

vk & i k

[koyk

क्या तुमने यह 'हुलगुल कथा' पढ़ी?
मेरे पास तुम्हारे लिए ये भी हैं:

1. ठहरो!
2. एक था मोटा राजा
3. गिली गिली गोला!
4. आधा राजा आधा ओझा

मैं अपने आप पढ़ूँ - हुलगुल कथा' एन.एफ.ई. के लिए कथा टीम द्वारा तैयार की गई एक नवीन विचारधारा पर आधारित पाठ्य-सामग्री है।





vxMe cxMe xlyexly
 , u-, Q-bZds t knweaMly

^eSviusvki i<w & gyxy dFlk* , u-, Q-bZ dsfy, gA ; set nkj fdrka
 dFlk }kjkrS kj dhxbZgA gyxy dFlk ea8&14 l ky dh yMfd; kavS
 yMekdksvldf'kZ djusdsfy, gkL; vS rqlcah dk Hjiy rek lk gA
 dFlk jpukeed y[ku dh , d i t h d r] vykHdjh l dFlk gA